वी.यू. अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

मत्स्य विज्ञान महाविद्यलय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय डॉ. ए.पी. सिंह रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिष्ठाता संकाय डॉ. एम.के. मेहता ने अपने उद्बोधन में फिशरीज के महत्व पर प्रकाश डाला।

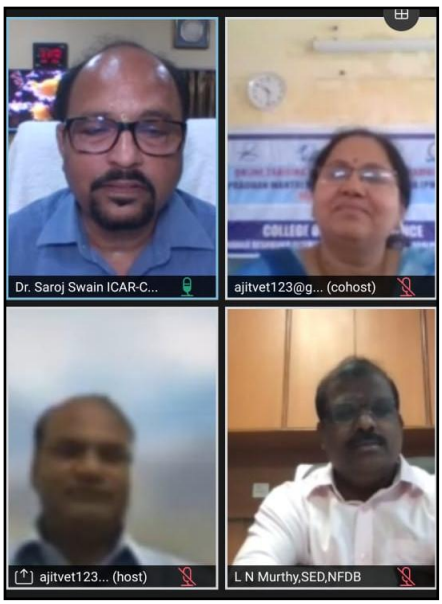

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. जे.के. जैना, डी.डी.जी. फिशरीज, आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली ने कहा मात्स्यिकी को आगे ले जाने के लिए सबको जैसे मात्स्यिकी महाविद्यालय, मत्स्य विभाग व अन्य एजेंसी को सामूहिक रूप से कार्य करने होंगे। जिससे उद्यमियों एवं किसानों में कौशल विकास हो सके। सम्माननीय अतिथि डॉ. एल.एम. मूर्ति, सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, एन.एफ.डी.वी., हैदराबाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि म.प्र. में मत्स्य के क्षेत्र में अच्छी संभावनाएं है। वैज्ञानिकों को कुछ इनोवेटिव प्रोजेक्ट बनाने की आवश्यकता है। मत्स्य पालकों में जागरूकता व प्रशिक्षण के द्वारा कौशल विकास विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता डॉ. एस.के. स्वैन,

डायरेक्टर सीफा, भुवनेश्वर ने फिशरीज की भोजन व व्यवसाय के रूप में महत्ता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा ने बताया कि इस कायक्रम में 377 प्रतिभागियों ने 23 राज्यों से सहभागिता की। जिसमें मत्स्य पालक, छात्र व शिक्षक सम्मिलित रहे। यह कार्यक्रम नेशनल फिशरीज डेबलपमेंट बोर्ड द्वारा वित्त पोषित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एस.एन. ओजा, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभाग प्रमुख आई.सी.आर.सी.आइ.एफ.ई., मुम्बई रहे। जिन्होने विस्तार पूर्वक प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना पर अपना व्याख्यान दिया। श्रीमान प्रियंक श्रीवास्तव डिपार्टमेंट ऑफ फिशरीज ने मत्स्य पालकों के लिए म.प्र. में चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह–प्राध्यापक व सह–समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा रही। कार्यक्रम में सहयोग प्रियंका गौतम, आशुतोष लौवंशी, सत्येन्द्र कटारा का रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. हरि आर, सहायक प्राध्यापक पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर